


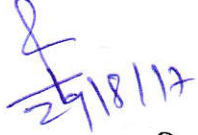
# न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

नीलकंठ हलाम

बनाम

डुटू स्वाखी तगैरह

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अभिलेख सं०-एम...11.6...../2017 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रभारी तमाड के अप्राथमिकी सं०-34/17 दिनांक-9/8/17 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि मौजा कुंदला खाला ख०-101 प्लॉट ख०-980 रकबा 43 इंच के जमीन पर लगा अर्ज का पैड काले से उभय पक्ष में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रु० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि ...11/09/17 को उपस्थापित करें।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div style="text-align: center;">  <p>कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।</p> </div> <div style="text-align: center;">  <p>कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।</p> </div> </div>	

11-09-17

आमिलेख उपस्थापित उभय पक्ष

उपस्थापित उभय पक्ष जवाब दाखिल की दिनांक 06-10-17 को रखी

11/09/17

तिथि

आदेश एवं दण्डाधिकारी का हस्ताक्षर

23-04-18

अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष  
~~अभिलेख~~ अनुपस्थित। उक्त वाद में 6(छः)  
 माह की अवधि पूरी हो चुकी है  
 अर्थात् वाद कालवापित हो गया है।  
 अतः वाद में अभिलेख की कारवाही  
 बन्द की जाती है।

  
 23/4/18